



## भा.कृ.अनु.प.—सरसों अनुसंधान निदेशालय सेवर, भरतपुर (राजस्थान) 321 303



डॉ. अशोक कुमार शर्मा

प्रधान वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक : 25-01-2024

### दैनिक जीवन में अपनाएं वैज्ञानिक दृष्टिकोण: डॉ. पी.के. राय

योग्यता, क्षमता और संसाधनों को ध्यान में रखकर तय करें लक्ष्य: जरूर मिलेगी सफलता: डॉ. पवन शर्मा

प्रमाणपत्र वितरण के साथ विज्ञान संचार कार्यशाला संपन्न: तीन दिन तक 20 प्रतिभागियों ने जाने विज्ञान संचार के सूत्र

सरसों अनुसंधान निदेशालय में चल रही तीन दिवसीय विज्ञान संचार कार्यशाला, "विज्ञान के साथ कदमताल" का समापन गुरुवार को प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरण के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अथिति निदेशालय के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को कार्यशाला में बताये गये विज्ञान संचार के सूत्रों का उपयोग अपने दैनिक जीवन में करने एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण आमजन तक पहुँचाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इससे पूर्व तीसरे दिवस के मुख्य वक्ता वरिष्ठ मानसिक एवं मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. पवन शर्मा ने अपने व्याख्यान में कहा कि यदि सफलता की गारंटी चाहते हो तो अपनी योग्यता, क्षमता और संसाधनों का सटीक आंकलन कर अपना लक्ष्य तय करना होगा। सम्पूर्ण लगन, मेहनत और निष्ठा के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपनी दिनचर्या सुधारने की भी जरूरत है। हमारा शरीर सूर्य की गति पर निर्भर है, अतः दिन के काम दिन में और रात्रि के काम रात्रि में ही करने होंगे। सूर्योदय से पहले जागना होगा और रात 9 बजे सोने की आदत डालनी होगी। रोजाना कम से कम 5 किलोमीटर पैदल चलने और 8 -10 ग्लास पानी पीने का प्रयास करना होगा। तब ही हमारा मन-मष्तिष्क एवं स्वास्थ्य ठीक ढंग से बेहतर हो सकेगा। दूसरे मुख्य वक्ता संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार ने प्रतिभागियों को कृषि के क्षेत्र में हो रहे नवीन अनुसंधानों के बारे में बताते हुए कहा कि कृषि में नवप्रौद्योगिकी के द्वारा ही हम बढ़ती जनसँख्या के लिए पर्याप्त भोजन का उत्पादन कर सकते हैं। उन्होंने संस्थान में राइ-सरसों पर हो रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के संपादक तरुण कुमार जैन ने प्रतिभागियों को वैज्ञानिक संचार से सम्बंधित भारत सरकार की योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के संयोजक वैज्ञानिक डॉ प्रशांत यादव ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यशाला का समापन किया।

(अशोक कुमार शर्मा)

